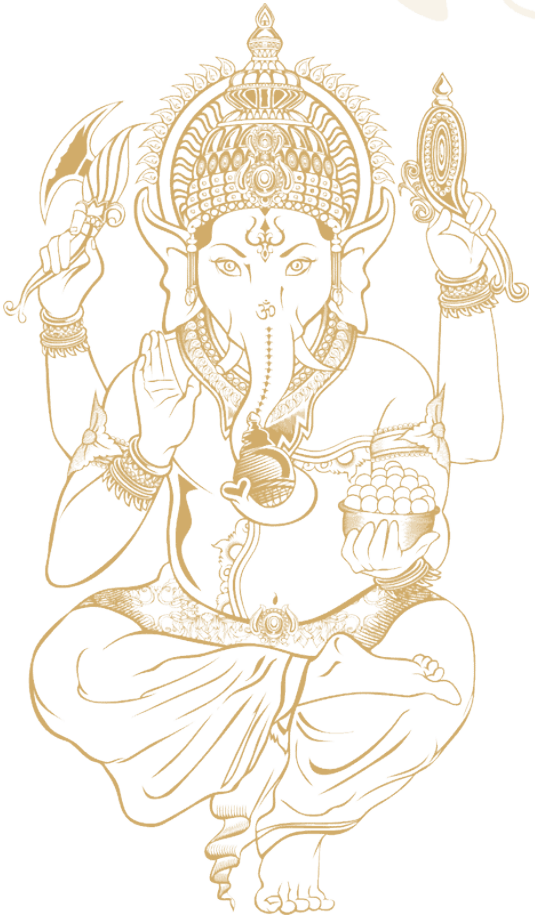

Ankit Upadhyay

06 Oct 1989

06:50 PM

Aligarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121658005

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/10/1989**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:50:00 घंटे**
इष्ट	31:32:18 घटी
स्थान	**Aligarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:54:00 उत्तर
रेखांश	78:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:32:16 घंटे
वेलान्तर	00:11:49 घंटे
साम्पातिक काल	19:32:59 घंटे
सूर्योदय	06:13:04 घंटे
सूर्यास्त	17:58:22 घंटे
दिनमान	11:45:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	19:33:05 कन्या
लग्न के अंश	08:15:29 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सौभाग्य
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	08:15:29	469:46:27	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
सूर्य			कन्या	19:33:05	00:59:11	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	सम राशि
चंद्र			धनु	02:27:44	12:19:29	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	17:18:26	00:39:16	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध			कन्या	02:35:39	00:26:21	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु			मिथु	16:20:22	00:04:17	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	03:54:23	01:07:42	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
शनि			धनु	14:06:09	00:02:27	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	00:45:11	00:02:46	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	00:45:11	00:02:46	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	07:55:06	00:01:21	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप			धनु	15:57:22	00:00:30	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	20:08:57	00:02:09	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			धनु	27:47:42	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:00

लग्न-चलित

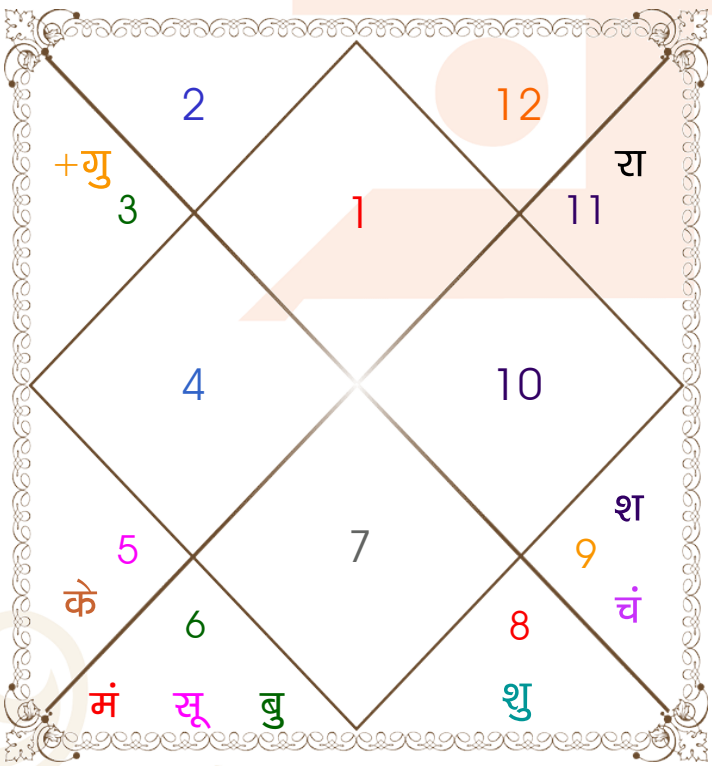

चन्द्र कुंडली

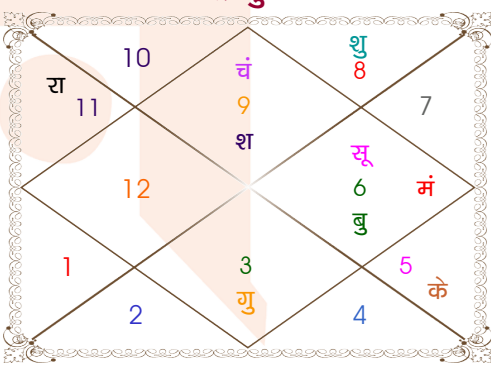

नवमांश कुंडली

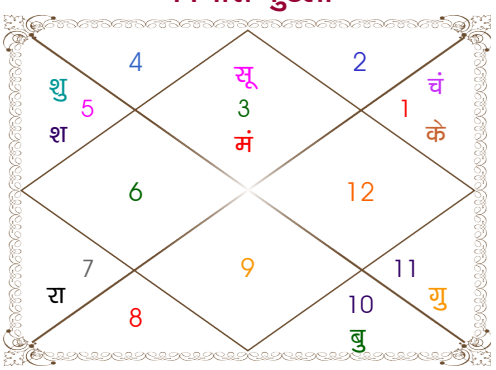

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 8 मास 14 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/10/1989		22/06/1995		22/06/2015		21/06/2021		22/06/2031	
22/06/1995		22/06/2015		21/06/2021		22/06/2031		22/06/2038	
	06/10/1989	शुक्र	21/10/1998	सूर्य	09/10/2015	चंद्र	22/04/2022	मंगल	18/11/2031
शुक्र	17/01/1990	सूर्य	22/10/1999	चंद्र	09/04/2016	मंगल	21/11/2022	राहु	06/12/2032
सूर्य	25/05/1990	चंद्र	21/06/2001	मंगल	15/08/2016	राहु	22/05/2024	गुरु	11/11/2033
चंद्र	24/12/1990	मंगल	22/08/2002	राहु	10/07/2017	गुरु	21/09/2025	शनि	21/12/2034
मंगल	22/05/1991	राहु	21/08/2005	गुरु	28/04/2018	शनि	22/04/2027	बुध	18/12/2035
राहु	09/06/1992	गुरु	21/04/2008	शनि	10/04/2019	बुध	20/09/2028	केतु	16/05/2036
गुरु	16/05/1993	शनि	22/06/2011	बुध	14/02/2020	केतु	22/04/2029	शुक्र	16/07/2037
शनि	25/06/1994	बुध	22/04/2014	केतु	21/06/2020	शुक्र	21/12/2030	सूर्य	21/11/2037
बुध	22/06/1995	केतु	22/06/2015	शुक्र	21/06/2021	सूर्य	22/06/2031	चंद्र	22/06/2038

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
22/06/2038		21/06/2056		21/06/2072		22/06/2091		22/06/2108	
21/06/2056		21/06/2072		22/06/2091		22/06/2108		00/00/0000	
राहु	04/03/2041	गुरु	09/08/2058	शनि	25/06/2075	बुध	18/11/2093	केतु	18/11/2108
गुरु	28/07/2043	शनि	20/02/2061	बुध	04/03/2078	केतु	15/11/2094	शुक्र	07/10/2109
शनि	03/06/2046	बुध	29/05/2063	केतु	13/04/2079	शुक्र	15/09/2097		00/00/0000
बुध	21/12/2048	केतु	03/05/2064	शुक्र	13/06/2082	सूर्य	22/07/2098		00/00/0000
केतु	08/01/2050	शुक्र	02/01/2067	सूर्य	25/05/2083	चंद्र	22/12/2099		00/00/0000
शुक्र	08/01/2053	सूर्य	22/10/2067	चंद्र	24/12/2084	मंगल	19/12/2100		00/00/0000
सूर्य	03/12/2053	चंद्र	20/02/2069	मंगल	02/02/2086	राहु	08/07/2103		00/00/0000
चंद्र	04/06/2055	मंगल	27/01/2070	राहु	09/12/2088	गुरु	13/10/2105		00/00/0000
मंगल	21/06/2056	राहु	21/06/2072	गुरु	22/06/2091	शनि	22/06/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 8 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

जिस समय आपका जन्म हुआ, उस समय पूर्वी क्षितिज पर अश्विनी नक्षत्र के तृतीय चरण में मेष लग्न उदित था। परिणाम स्वरूप जन्मकाल मिथुन नवमांश एवं मेष के द्रेष्काण के प्रभाव से आप का जन्म लग्न प्रभावित था।

आप में व्यक्तिगत रूप से कई कार्यों को एक साथ संचालित करने की क्षमता है, और आप कोई भी कार्य पूर्ण रूपेण आश्वस्त होकर संपादित करते हैं। आप उच्चकोटि के महत्वाकांक्षी, व्यक्ति हैं। आप अपने उद्येश्यित महत्वपूर्ण बिंदुओं को कार्य रूप देकर कार्यान्वित कर लेने में लगन लगाते हैं। आप में यह वरदान स्वरूप विशिष्टता विद्यमान है कि आत्मबल के सहारे अपने कार्य को संपादन कर लेते हैं। परंतु आप में छोटी सी बातों में भी अड़चन लगाने की प्रवृत्ति विद्यमान है। अर्थात् किसी भी असाधारण बातों को द्वन्द्वात्मक बना देते हैं।

आप किसी कार्य का आरंभ विद्युत गति से करते हैं। परंतु अकस्मात् बीच में ही कार्य को रोक कर अपने मार्ग को बदलने पर पुनर्विचार करने लगते हैं। यदि आप कोई सशक्त निर्णय लेकर और पूरी तन्मयता से कार्य को कार्य रूप दें तो निश्चित रूप से आप किसी भी कार्य में सफल हो जाएंगे।

वास्तव में आप विशुद्ध आत्मा (हृदय) के प्राणी हैं। आपके हृदय में किसी प्रकार की कलुषता नही रहती है। आप चाहते हैं कि आज तक की परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त कर नेतृत्व करें आप किसी दूसरे व्यक्ति का निर्देशों का अनुपालन नहीं करतें। यद्यपि आप यह चाहते है कि किसी भी व्यक्ति पर अपनी छाप (चिह्न) स्थापित करें तथापि यदा-कदा आप अपनी राय सभी कार्यों में प्रदान कर अपना प्रभाव कायम करने के लिए तत्पर रहते हैं। वास्तव में कोई भी व्यक्ति अच्छी राय आपसे प्राप्त कर आपसे प्रभावित हो जाता है।

आप अपने शत्रुओं से निर्भय रहते हैं। दुर्भाग्यवश यदि किसी शत्रु से आपको मुकाबला करना पड़ जाए और आपके साथ कोई षड्यंत्र करे तो आप वर्त्तमान कालिक परिस्थिति का मुकाबला पूरी शक्ति से एवं अपने निर्णय के अनुसार कूटनीतिक व्यवहार से उसके साथ पेश आते हैं।

अश्विनी नक्षत्र के प्रभावानुसार आप पूर्ण सशक्त एवं शक्ति संपन्न व्यक्तित्व की संपन्नता से धन प्राप्त करने की क्षमता रखते है। आपकी उन्नत ललाट और प्रभावक दृष्टि आपके अन्तः करण की सूचना प्रकट करता हैं आप में ऐसी क्षमता है कि आपके संपर्क में जो व्यक्ति आता है। उस पर आपका पूर्ण प्रभाव एवं अच्छी छाप पड़ती है। आप अधिक धन संचय करने के संबंध में लालची भी हैं। आपको अपने भाई के साथ कोई विवाद हो जाए और आप उलझ जाएं यह संभव है। अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन सुंदर रहेगा। आपके जीवन का मुख्य दायीत्व पारिवारिक समस्या है। आप बेसुध हो कर, हर क्षण अपने परिवार के लाभ के लिए कुछ न कुछ करते रहने के संबंध में चिंतनशील रहा करते हैं, क्योंकि संपूर्ण परिवार का दायीत्व आपके कंधे पर है, अर्थात पूरे परिवार का विकास और विस्तार के लिए आप ही अभिभावक के रूप में जिम्मेदार हैं। परंतु आप अपने शब्द जाल में अधिकांश लोगों को फंसा

लेते है परंतु आप किसी भी दशा में अपने स्तर से गिर नहीं पाते। आपके स्वभाव के अनुसार जेल अधिकारी पद पर आपकी नियुक्ति उपयुक्त है। अन्यथा आप पुलिस विभाग या रेलवे अधिकारी भी हो सकते हैं।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परंतु आपको यह निर्देश दिया जाता है कि अपने पारिवारिक चिकित्सक से सिरोवेदना या मस्तिष्क रोग से सावधानी कैसे बरती जाय इसके संबंध में परामर्श ले लें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भविष्य के लिए उन्नति कारक एवं आकर्षक अंक 9 एवं 1 अंक होगा। जबकि आपके लिए अनुकूल अंक 4 एवं 8 अंक होगा। 6 एवं 7 अंक आपके लिए अच्छा प्रभाव देने वाला नहीं है।

आपके जीवन के लिए पीला, स्वर्णिम एवं लाल रंग व्यवहारिक एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।